सारी अर्हतायें पूरी हो चुकी हैं। इस दिशा में केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि "क्षेत्रीय पिछड़ेपन को आधार मान कर पूर्वांचल के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए उक्त विद्यालय को इंजीनियरिंग में पोस्ट ग्रेजुएट करने के लिए आदेश पारित करे ताकि उक्त क्षेत्र के रहने वाले लोग आर्थिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक दृष्टिकोणों से आगे बढ़ सकें और साथ ही साथ उक्त पिछड़े हुए क्षेत्र के नवयुवक देश के अन्य क्षेत्रों के नवयुवकों के समान इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त कर सकें।

(v) NEED TO GIVE RELIF FOR THE DROUGHT AFFECTED PALI DISTRICT OF RAJASTHAN.

श्री मूल चन्द डागा (पाली) : सम्पूर्ण पाली जिला, राजस्थान का अकाल से पीड़ित है और लगातार तीन वर्षों से अकालग्रस्त है। आज गांवों में पेय जल की व्यवस्था नहीं है। रोहट पंचायत समिति के करीब सभी गांवों में पेयजल कहीं उपलब्ध नहीं है। उन्हें प्रति वर्ष के अनुसार जवाई बांध से पानी नहीं दिया जा रहा है। लोगों के लिए अकाल राहत कार्य अभी तक नहीं खोले गए हैं। दस व्यक्तियों का कुटुम्ब हो तब ही एक व्यक्ति को काम पर कहीं कहीं लगाया गया है। हालत अत्यन्त दयनीय व शोचनीय है। किसानों को बिजली उपलब्ध नहीं हो रही है और न डीजल। सरकार राहत दिलवाने में असफल और असमर्थ ही रही है। राजस्थान सरकार का कहना है कि केन्द्र सरकार से जो हम अपेक्षा धनराशि की, डीजल की, बिजली व अन्य आवश्यक वस्तुओं की करते हैं वे उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इसलिए राजस्थान की 1.60 करोड़ जनता अकाल से पीड़ित है। उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए केन्द्रीय सरकार अविलम्ब कदम उठाए और पूर्ण सहयोग प्रदान करे।

(vi) LOCK-OUT IN HINDUSTAN PILKINGTON GLASS WORKS OF ASANSOL.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Dugrapur): Sir, the Management of the Hindustan Pilkington Glass Works of Asansol declared lock-out on 25th May, 1980. Since then the lock-out continues. Many Members of Parliament and the Employees' Union have been representing the matter to the present Government but without avail. A Number of times, concerned Minister informed that the matter was receiving Government's urgent attention. But no concrete action has been taken so far by the Government.

Already six workmen have expired. Workmen have started Dharna before the factory gate since 11th February 1981 demanding immediate lifting of the lock-out.

Under these circumstances, I therefore urge upon the Government to take immediate steps for lifting the illegal lock-out and to save the interests of the workers as well as the interest of the nation.

12.25 hrs.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—*CONTD.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up further consideration of the following motion moved by Shri V. N. Gadgil on the 19th February, 1981 and seconded by Shri Nawal Kishore Sharma on the 20th February, 1981, namely—

"That an Address be presented to the President in the following terms:—

'That the Members of Lok Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on the 16th February, 1981."

श्री जगजीवन राम (सासाराम) : उपाध्यक्ष जी, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहुत सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये